टूटी बाँसुरी वाला

नि शांत

Sample Copy. Not For Distribution.

टूटी बाँसुरी वाला

Sample Copy. Not For Distribution.

EDUCREATION PUBLISHING

Shubham Vihar, Mangla,
Bilaspur, Chhattisgarh - 495001

Website: *www.educreation.in*

© Copyright, Author

All rights reserved. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopying, recording or otherwise, without the prior written consent of its writer.

ISBN: 978-1-5457-1270-2

Price: ₹ 175.00

The opinions/ contents expressed in this book are solely of the author and do not represent the opinions/ standings/ thoughts of Educreation.

Printed in India

Sample Copy. Not For Distribution.

टूटी बाँसुरी वाला

नि शांत

EDUCREATION PUBLISHING
(Since 2011)
www.educreation.in

Sample Copy. Not For Distribution.

Sample Copy. Not For Distribution.

विषय–सूची

क्र.	अनुक्रम	पृष्ठ
	आभार	ix
	मेरी बात	x
	प्रेरणा	1
1	ख्वाब कभी न मरने देना	2
2	आगे बढ़ने वालों के	3
3	तन्हा जा रहा है	4
	सुनो जाना	5
1	तुम्हारा साथ	6
2	पहली छुअन का एहसास	7
3	आने की खुशी	8
4	मोरपंख सी तुम	9
5	लम्हें	10
6	आजकल	11
7	काश	12
8	तुम कलम मेरी	13
9	कुछ पेचीदा सवाल	14
10	नब्बे वाला प्यार	16
11	गुलाब तुम्हारा	17
12	बस यूँ ही	18
13	तुम	19
14	बेबस शब्द	20
15	तुमको पाकर	21

Sample Copy. Not For Distribution.

16	चल चलें	22
17	हॉ वो लड़की	23
18	खो जाना चाहूँ	25
	तुम्हारे जाने के बाद	26
1	एक लंबे वक्त के बाद	27
2	एक मोहब्बत के संग	28
3	वो पल	29
4	जिनके लिए रात भर	30
5	जब याद किसी की आती है	32
6	मैं श्रापित	33
7	कैसे ?	34
8	मर तो गए थे	35
9	जाने का दुख	36
10	ये सफर	37
11	जानती हो ?	38
12	इश्क का अब नाम	39
	परिवार	40
1	घर	41
2	मुझको बहन मिली है आज	43
3	छोटी का खत	44
4	एक दोस्त है मेरा	47
5	बिटिया	48
6	भाई	49
7	पत्नी	51
8	पिता अगर तुम	52
	समाज	53
1	जानवर	54
2	कहाँ खो गई बेटियाँ	55
3	दशा गऊ की	56

Sample Copy. Not For Distribution.

4	वो लोग	57
5	दोस्त हमारे	58
	मेरी उदासी	60
1	मैं अधूरा	61
2	कोई जानता नहीं	62
3	दुःख के त्यौहार	63
4	अधूरा सपने	64
5	ना समझ में आए	65
6	कचरा पेटी	66
7	उसकी चिटिठयाँ	67
8	हजारों दर्द	68
9	बॉसुरी टूटी हुई	69

Sample Copy. Not For Distribution.

शक्तिमान को समर्पित

गुमनाम बनकर गुजरने से पहले,
एक किताब लिख जाऊंगा, मरने से पहले.....

Sample Copy. Not For Distribution.

आभार

किसी भी कवि या शायर का सपना होता है कि उसके शब्द किताबों की शक्ल में अमर हो जाएँ। मन में उपजे ख्याल से लेकर पढ़ने वालों के हाथ तक पहुँचने का सफर शब्दों के लिए आसान नहीं होता। मेरा भी ये सफर बहुत लंबा और मुश्किल रहा है, पर अंततः वो सफर अपनी मंजिल तक पहुंचने जा रहा है। इसलिए जो भी इस सफर के साक्षी, प्रेरक और शुभचिंतक रहे हैं, उनके प्रति मेरा मन आभार से भरा है।

सबसे पहले उस इंसान का आभार जिने मुझे फिर से लिखने के लिए प्रेरित किया था। आभार उन सब इंसानों का जो कविताओं का हिस्सा बनें हैं, जिनके दिए एहसासों को मैं शब्दों में पिरो पाया हूं। मेरे मित्र गोपाल, शिवम्, अमन और अभिषेक का विशेष आभार, जिन्होंने हरसंभव मदद की , मेरा सपना पूरा करने में। मेरी कलम का आभार और साथ में उस टूटी बाँसुरी का भी जिसके सुरों से ये सपना सजा हुआ है। आप सब पाठकों को असीम प्रेम व आभार। इसी तरह आप सब का सहयोग मिलता रहे ताकि मैं अच्छा लिख पाऊँ।

धन्यवाद
नि शांत

Sample Copy. Not For Distribution.

मेरी बात

बाँसुरी सुरों को सजाती है। सुर खुशी के, उमंग के , उल्लास के, प्यार के। पर बांसुरी जब टूट जाती है तो उसी में से निकलते हैं सुर–दुःख के, पीड़ा के, करूणा के। जिंदगी एक बाँसुरी की तरह ही होती है। सबके साथ एक दौर आता है, जब वो अपनी उम्मीदों और हौंसलों के चरम पर होते हैं। उनकी खुशियों का ठिकाना नहीं होता और सबके जीवन में वो दौर भी आता है जब कोई अपना कहने तक को पास नहीं होता। कभी लगता है कि दुनिया अपने पैरों तले है, तो कभी लगता है कि जैसे हमारी औकात कुछ भी नहीं है। कभी ये दुनिया इतनी प्यारी लगने लगती है कि बेजान चीजें भी हमारे साथ मुस्कराती हुई महसूस होती है, तो कभी इसी दुनिया से इतनी नफरत हो जाती है कि सब कुछ छोड़कर चले जाने को मन करता है।

खैर, इंसान का दिल और दिमाग इसी स्वभाव के बने हैं कि कोई एक एहसास हमेशा नहीं बना रहता है। ऐसे ही बहुत से एहसासों से बनी कविताओं का संग्रह प्रस्तुत है– "टूटी बाँसुरी वाला"। अपने अब तक के अनुभव के आधार पर मैंने एक कोशिश की है कि मैं मेरी आवाज को आप सबकी आवाज बना पाऊँ। मैं जो लिखूं वो शब्द भले हीं मेरे हों, पर उन्हें पढ़कर आपको लगे कि ये तो आप ही के अनकहे एहसास हैं। उम्मीद है कि मैं खुद को और आप सबको ठीक से व्यक्त कर पाया हूँ।

Sample Copy. Not For Distribution.

प्रेरणा

माना कि मुश्किल आती है
हर एक मंजिल पाने में,
संघर्ष का पर नाम जिन्दगी
क्या मिलता झुक जाने में.....

Sample Copy. Not For Distribution.

ख्वाब कभी ना मरने देना

दिल को रोज पंख फैलाकर
नई उड़ाने भरने देना,
ख्वाब कभी ना मरने देना.....
नई–नई उलझन हर दिन ही
रस्ते में टकराएगी,
रोज जागने की कोशिश में
नींद रोज ही आएगी,
पर खुद से जो किए हैं वादे,
काम जो बचे हुए हैं आधे,
उनको नहीं बिसरने देना.....
ख्वाब कभी ना मरने देना.....

दिल ही अक्सर तकलीफों से
मुंह मोड़े, उम्मीद सजाए,
लेकिन फिर कड़वी सच्चाई
सारे सपने मारे गिराए
पर जो सपने बच पाए हैं,
जो मुकाम दिल ने चाहे हैं
उसको हासिल करने देना.....
ख्वाब कभी ना मरने देना.....
ख्वाब कभी ना मरने देना.....

Sample Copy. Not For Distribution.

आगे बढ़ने वालों के

रूकना, थमना, पीछे हटना, करने में आसान तो है,
आगे बढ़ने वालों के पर, किस्से गाए जाते हैं।
बाधाओं से हार मानना, राहत तो दे सकता हैं,
पर भिड़ जाने वालों पर ही, गीत बनाए जाते हैं।

फूलों के पथ पर चलने को, क्यों सम्मान समझते हो ?
घबराकर जीना मुश्किल है, क्यों आसान समझते हो?
वह सम्मानित है जो काँटों, से होकर के पहुँचा है,
लहूलुहान जिसके पाँवों में, छाले पाए जाते हैं।
आगे बढने वालों के .....

हाथ जोड़कर रण कोई जीता, हो तो मुझे बताओ तुम,
करो कलेजा कड़ा और, संघर्ष से न घबराओ तुम।
मंजिल उसके आगे झुकती, लड़ने के जो काबिल हो,
सपने पूरे करने को जो, नींद उड़ाए जाते हैं।
आगे बढ़ने वालों के .....

Sample Copy. Not For Distribution.

तन्हा जा रहा है

तन्हा जा रहा है वो शख्स देखो यारों,
कभी इसके पीछे जमाना हुआ करेगा।

हर हार अपनी इसको एक सबक लगने लगी हैं,
हर घड़ी निराशा वाली, आशा –सी दिखने लगी है,
गिरने के इसके किस्सा, पुराना हुआ करेगा.....

है समझा आज इसने, बस खुद को है मनाना,
नहीं कोई इतना काबिल, जितना है ये दीवाना,
अब जग में इसके नाम का तराना हुआ करेगा.....

गिरना, पिछड़ना, उठना, सब सफर के हैं हिस्से,
संघर्ष नहीं होगा, तो बनेंगे कैसे किस्से,
नहीं दूर होगी मंजिल, जिसे पाना हुआ करेगा .....

तन्हा जा रहा है वो शख्स देखो यारों,
कभी इसके पीछे जमाना हुआ करेगा।

Sample Copy. Not For Distribution.

सुनो जाना

तुम जो रात ख्वाब में नहीं आती,
दिन भी मेरे यूँ हसीं नहीं होते .....

Sample Copy. Not For Distribution.

Get Complete Book
At Educreation Store
www.educreation.in

Sample Copy. Not For Distribution.

टूटी बाँसुरी वाला

"टूटी बाँसुरी वाला" निशांत का लिखा पहला कविता संग्रह है और कवि के दिल के बहुत करीब है। इस किताब में आपको जिंदगी के हर पहलू पर कविताएँ पढ़ने को मिलेंगी। इनमें प्रेम है तो तन्हाई भी है; दर्द है तो खुशी भी है; सामाजिक मुद्दों के अलावा अन्य कई विषयों को भी उन्होंने छुआ है। आप इन कविताओं से खुद को आसानी से जोड़ पाएंगे, क्योंकि इन्हें दिल से सीधे कागज पर उतारा गया है। आप लोगों की टिप्पणियाँ, सुझाव, शिकायतें नीचे दिए संपर्क सूत्रों पर विशेष आमंत्रित हैं।

लेखक से संपर्क के लिए :
kanhanetcafe@gmail.com
90345-35181

EDUCREATION
PUBLISHING
www.educreation.in

Also available as an eBook
POETRY
ISBN 978-1-5457-1270-2
9 781545 712702 >

Sample Copy. Not For Distribution.